शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

CSK को बड़ा झटका, खलील अहमद पूरे IPL 2026 से बाहर

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रणबीर कपूर TIME 100 लिस्ट में शामिल

Page-05

महिला आरक्षण बिल पर संसद में तीखी राजनीतिक बहस छिड़ गई है।विपक्ष ने सरकार पर भेदभाव और राजनीति करने का आरोप लगाया है।सरकार का कहना है कि यह फैसला सभी राज्यों और वर्गों के लिए न्यायसंगत होगा।

शाह vs अखिलेश

संसद में महिला आरक्षण पर महाभारत!

- **दो हजार उनतीस तक महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटें बढ़ाने का लक्ष्य।**
- **धर्म के आधार पर आरक्षण को लेकर सरकार और विपक्ष आमने-सामने।**

सोलह अप्रैल से शुरू हुए संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण से जुड़े बिल पेश होते ही सियासी माहौल गरमा गया। संसद में सरकार ने तीन अहम विधेयक पेश किए, जिनका लक्ष्य दो हजार उनतीस तक महिला आरक्षण लागू करना और लोकसभा की सीटें बढ़ाकर आठ सौ पचास करना है।जैसे ही बिल पेश हुआ, विपक्ष ने जोरदार विरोध शुरू कर दिया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सबसे पहले सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यह कदम संविधान की मूल भावना से छेड़छाड़ करने जैसा है।वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने बहस को नया मोड़ देते हुए कहा कि अगर मुस्लिम महिलाओं को इसमें शामिल नहीं किया गया, तो ऐसे आरक्षण का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।इस पर अमित शाह ने कड़ा जवाब देते हुए साफ कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संविधान के खिलाफ है और ऐसा संभव नहीं है। उनके इस बयान के बाद सदन में बहस और तेज हो गई।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं को अधिकार मिलना चाहिए, लेकिन सभी वर्गों की महिलाओं को बराबरी से शामिल करना जरूरी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी 'नारी' को सिर्फ एक नारे के तौर पर इस्तेमाल करना चाहती है।अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए दावा किया कि पंचायत स्तर पर सबसे ज्यादा महिला आरक्षण उनकी सरकार ने दिया था। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी यह सब जल्दबाजी में इसलिए कर रही है ताकि जनगणना, खासकर जातीय जनगणना, को टाला जा सके।जवाब में अमित शाह ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर समाजवादी पार्टी को इतनी चिंता है, तो वे अपने चुनावी टिकट मुस्लिम महिलाओं को दे सकते हैं–सरकार को इससे कोई आपत्ति नहीं है।

PM मोदी की गारंटी– 'किसी राज्य के साथ नहीं होगा अन्याय'

परिसीमन के मुद्दे पर PM मोदी ने लोकसभा में बड़ा बयान देते हुए साफ कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्यों के अनुपात में कोई बदलाव नहीं होगा और सबके साथ न्याय होगा।गुरुवार को केंद्र सरकार ने Lok Sabha में तीन अहम बिल पेश किए–महिला आरक्षण संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र शासित प्रदेश संशोधन विधेयक 2026। परिसीमन बिल को लेकर विपक्षी दलों ने जोरदार हंगामा किया और इसे चुनावी फायदे के लिए लाया गया कदम बताया।इस बीच सदन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि दक्षिण, उत्तर, पूर्व, पश्चिम–किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा। पहले जो परिसीमन हुआ, उसी अनुपात में आगे भी वृद्धि होगी। अगर गारंटी चाहिए तो मैं गारंटी देता हूं, वादा चाहिए तो वादा देता हूं।" दरअसल, यह बिल लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण लागू करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। प्रस्ताव के मुताबिक, लोकसभा की कुल सीटें 543 से बढ़ाकर 850 की जा सकती हैं–जिसमें 815 सीटें राज्यों और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए होंगी। इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 81 में संशोधन का प्रावधान रखा गया है। फिलहाल 2011 की जनगणना के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

अनिल अंबानी को सुप्रीम कोर्ट से झटका!

उद्योगपति अनिल अंबानी को बड़ी कानूनी राहत नहीं मिल सकी है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को उनकी उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें उन्होंने बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश में बैंकों को उनके खातों को "फ्रॉड" घोषित करने की प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति दी गई थी।मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने हालांकि अंबानी को यह राहत दी कि वे बैंकों द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के खिलाफ उच्च न्यायालय की एकल पीठ में अपनी याचिका जारी रख सकते हैं। साथ ही अदालत ने एकल पीठ से इस मामले में जल्द सुनवाई करने का अनुरोध भी किया है।दरअसल, अंबानी ने तीन अलग-अलग याचिकाएं दाखिल कर तेईस फरवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पहले दिए गए अंतरिम राहत आदेश को रद्द कर दिया था। इस अंतरिम आदेश में उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को "फ्रॉड" घोषित करने की प्रक्रिया पर रोक लगाई गई थी।खंडपीठ ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों–इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा–की अपीलों को स्वीकार करते हुए इस रोक को हटा दिया था। इन बैंकों के साथ ऑडिट कंपनी बीडीओ इंडिया एलएलपी भी मामले में शामिल है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला!

स्पाइसजेट और अकासा के विमान टकराए

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब स्पाइसजेट की फ्लाइट पार्किंग एरिया में खड़े अकासा एयर के विमान से टकरा गई। इस टक्कर में स्पाइसजेट विमान के राइट विंग को नुकसान पहुंचा, जबकि अकासा एयर के विमान का लेफ्ट विंग टूट गया। राहत की बात यह रही कि सभी पैसेंजर और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं।घटना के बाद स्पाइसजेट के विमान को तुरंत ग्राउंड कर दिया गया है और अब इसे उड़ान के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, लेह से आई स्पाइसजेट फ्लाइट गेट की ओर बढ़ रही थी, तभी हैदराबाद के लिए पुशबैक हो रहे अकासा एयर के विमान से उसकी टक्कर हो गई।अकासा एयर के

प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट Q P 1406 को वापस पार्किंग एरिया में लाना पड़ा। यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं।इसी बीच, एक और घटना में विशाखापट्टनम से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6E 579 की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान के इंजन में खराबी आने के कारण रनवे 28 पर 'फुल इमरजेंसी' घोषित की गई थी। फ्लाइट में सवार सभी 160 यात्री सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि यह बोइंग 737 विमान तुर्की की कोरेनडन एयरलाइन्स से लीज पर लिया गया था।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई–पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई–पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

500+ झुग्गियां जलकर राख

गाजियाबाद में आग का तांडव!

गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित कनावनी गांव में गुरुवार दोपहर भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और 500 से ज्यादा झुग्गियां जलकर राख हो गईं। दूर-दूर तक उठती लपटों ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया।घटना के चश्मदीद आकाश ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे झुग्गियों के ऊपर से गुजर रही बिजली की तार में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे निकली चिंगारी ने आग का रूप ले लिया। देखते ही देखते आग ने आसपास की झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया और लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।आकाश के मुताबिक, इस बस्ती में करीब 600 झुग्गियां थीं और आग इतनी तेजी से फैली कि सैकड़ों घर कुछ ही समय में जल गए। इलाके में मौजूद कबाड़ के गोदामों ने हालात और भयावह बना दिए, क्योंकि ज्वलनशील सामान के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। इस हादसे में करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।सबसे चिंताजनक बात यह सामने आई है कि इस आग में 8 से 10 बच्चों के लापता होने का दावा किया गया है। बताया जा रहा है

कि घटना के समय कई लोग काम पर गए हुए थे, जबकि छोटे बच्चे झुग्गियों में ही मौजूद थे। हादसे के बाद कई परिवार अपने बच्चों की तलाश में परेशान नजर आए।

महिला आरक्षण और परिसीमन पर बढ़ा राजनीतिक पारा

लोकसभा में घमासान!

लोकसभा में तीन महत्वपूर्ण विधेयकों पर 15–18 घंटे की चर्चा के बाद शुक्रवार को मतदान होगा। स्पीकर ओम बिरला ने समय तय किया, जबकि सरकार और विपक्ष में बहस तेज रही। विपक्ष ने प्रक्रिया पर आपत्ति जताई, वहीं संविधान संशोधन विधेयक पर 251 वोट पक्ष में और 185 विरोध में पड़े।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को घोषणा की कि संसद के विशेष सत्र के दौरान तीन महत्वपूर्ण विधेयकों पर विस्तृत चर्चा के बाद शुक्रवार को मतदान कराया जाएगा। उन्होंने सदन को बताया कि इन विधेयकों पर लगभग 15 से 18 घंटे तक बहस प्रस्तावित है और मतदान शुक्रवार शाम 4 बजे निर्धारित किया गया है। स्पीकर बिरला ने कहा कि सदन में इन विधेयकों पर पर्याप्त समय देकर विस्तृत चर्चा कराई जाएगी, ताकि सभी पक्ष अपनी बात रख सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संसदीय कार्यवाही में पारदर्शिता और संतुलन बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार की ओर से इन विधेयकों पर 12 घंटे की बहस का प्रस्ताव है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि लोकसभा अध्यक्ष को आवश्यकता अनुसार चर्चा की अवधि बढ़ाने का अधिकार होना चाहिए। रिजिजू ने दोहराया कि इन विधेयकों पर मतदान अगले दिन कराया जाएगा और सरकार का उद्देश्य सभी संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए इन्हें आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा लोकतंत्र की आत्मा है और सरकार इस प्रक्रिया के लिए पूरी तरह तैयार है। दूसरी ओर, विपक्ष ने इन विधेयकों को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि तीनों विधेयकों को एक साथ पेश करना संसदीय परंपराओं के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार संवैधानिक संशोधन विधेयक को अन्य विधेयकों के साथ जोड़कर प्रक्रिया को जटिल बना रही है। वेणुगोपाल ने सवाल उठाया कि जब संविधान संशोधन विधेयक के पारित होने की संभावना ही संदिग्ध है, तो इसे आगे बढ़ाने का क्या औचित्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की प्रक्रिया के गंभीर संसदीय और संवैधानिक परिणाम हो सकते हैं।गौरतलब है कि गुरुवार को सरकार ने विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा में तीन अहम विधेयक पेश किए। इनमें महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन और परिसीमन से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026' और 'परिसीमन विधेयक, 2026' सदन में पेश किए, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया।मतदान प्रक्रिया के दौरान 'संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026' पर पक्ष में 251 वोट और विरोध में 185 वोट पड़े, जिससे सदन में राजनीतिक समीकरणों की स्पष्ट झलक दिखाई दी।इन विधेयकों को लेकर संसद में माहौल काफी गर्म है और सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच तीखी बहस जारी है। सरकार का दावा है कि ये विधेयक चुनावी और प्रशासनिक सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, जबकि विपक्ष का कहना है कि इन्हें जल्दबाजी में और बिना पर्याप्त सहमति के आगे बढ़ाया जा रहा है। आने वाले मतदान को लेकर राजनीतिक हलचल और तेज होने की संभावना है।

लाहौर में आतंकी आमिर हमज़ा पर फायरिंग

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

लाहौर में लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के संस्थापक सदस्यों में शामिल आतंकवादी आमिर हमज़ा पर अज्ञात हमलावरों द्वारा गोली चलाए जाने की खबर सामने आई है। घटना लाहौर के एक न्यूज़ चैनल कार्यालय के बाहर हुई, जहां हमलावरों ने उन पर अचानक गोलियां चला दीं। इस हमले में आमिर हमज़ा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत फिलहाल बेहद नाजुक बनी हुई है। आमिर हमज़ा को लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख संस्थापक हाफिज सईद का करीबी सहयोगी माना जाता है। उनका नाम कई आतंकवादी गतिविधियों और भारत में हुए हमलों से भी जोड़ा जाता रहा है। वे लंबे समय तक संगठन की केंद्रीय समिति से जुड़े रहे और संगठन के प्रचार, भर्ती तथा वित्तीय गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमज़ा अफगान मुजाहिदीन से भी जुड़े रहे हैं और अपनी कट्टरपंथी विचारधारा के लिए जाने जाते हैं। वे लश्कर की आधिकारिक पत्रिका "मजल्लाह अल-दावा" के संपादक भी रह चुके हैं और उन्होंने कई पुस्तकें लिखी हैं, जिनमें 2002 में प्रकाशित "काफिला दावत और शहादत" प्रमुख है, जिसे चरमपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने वाला माना जाता है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने लश्कर-ए-तैयबा को पहले ही एक आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है और आमिर हमज़ा को प्रतिबंधित आतंकवादियों की सूची में शामिल किया गया है। बताया जाता है कि 2018 में पाकिस्तान द्वारा जमात-उद-दावा और उससे जुड़ी संस्थाओं पर कार्रवाई के बाद हमज़ा ने खुद को संगठन से अलग कर लिया था। इसके बाद उनके द्वारा "जैश-ए-मनकफा" नामक एक अलग गुट बनाए जाने की भी रिपोर्ट सामने आई थीं, जिसका उद्देश्य कथित रूप से जम्मू-कश्मीर सहित विभिन्न क्षेत्रों में गतिविधियां जारी रखना बताया गया है।

भारत 2035 तक बनाएगा अपना अंतरिक्ष स्टेशन

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अंतरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है और अब भारत भी इस दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने वर्ष 2035 तक अपना स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए भारत ने रूस के साथ सहयोग की इच्छा जताई है, जिससे दोनों देशों के अंतरिक्ष संबंधों को नई दिशा मिल सकती है। प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन एक स्वदेशी कक्षीय प्रयोगशाला होगा, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष में दीर्घकालिक मानव उपस्थिति सुनिश्चित करना, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना और भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए आधार तैयार करना है। इस परियोजना के तहत पहला मॉड्यूल वर्ष 2028 तक लॉन्च करने की योजना है, जबकि पूरा स्टेशन 2035 तक पूरी तरह कार्यशील हो जाएगा। यह अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी से लगभग 400 से 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया

जाएगा। इसे पांच मॉड्यूलों में विकसित किया जाएगा, जहां तीन से चार अंतरिक्ष यात्री नियमित रूप से रह सकेंगे, जबकि जरूरत पड़ने पर छह सदस्य अल्प अवधि के लिए ठहर सकेंगे। इस तरह यह स्टेशन भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को नई ऊंचाई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रूस के साथ सहयोग को इस परियोजना के लिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि रूस को अंतरिक्ष स्टेशन निर्माण और संचालन का लंबा अनुभव है। 'मीर' अंतरिक्ष स्टेशन और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में उसकी भूमिका उसकी तकनीकी दक्षता को दर्शाती है।

लगातार कर्ज पर निर्भरता से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कमजोर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

सऊदी अरब ने पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर की नई आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है, साथ ही पहले से दिए गए पांच अरब डॉलर के ऋण की अदायगी अवधि भी बढ़ा दी है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान विदेशी मुद्रा भंडार की कमी और बढ़ते बाहरी कर्ज के दबाव से जूझ रहा है। इस सहायता से देश की भुगतान संतुलन स्थिति को स्थिर करने में कुछ राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और विश्व बैंक की बैठकों के दौरान इस सहायता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई राशि जल्द जारी की जाएगी, जिससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलेगी। सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के अंत तक लगभग 18 अरब डॉलर का भंडार बनाए रखना है, जो करीब तीन महीने के आयात खर्च के बराबर माना जाता है।इस बीच पाकिस्तान को संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य देशों के कई बड़े ऋणों की अदायगी भी करनी है। ऐसे में सऊदी

अरब की यह सहायता तत्काल राहत के रूप में देखी जा रही है, हालांकि आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार यह दीर्घकालिक समाधान नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था अभी भी बाहरी ऋण और वित्तीय सहायता पर काफी हद तक निर्भर बनी हुई है।वित्त मंत्री ने दावा किया है कि पाकिस्तान अपने सभी बाहरी वित्तीय दायित्व समय पर पूरा कर रहा है। हाल ही में देश ने 1.4 अरब डॉलर के यूरोबॉन्ड का भुगतान बिना किसी बाधा के किया है, जिसे सरकार अपनी वित्तीय प्रतिबद्धता के संकेत के रूप में पेश कर रही है।

अमेरिका को बड़ा झटका

F-35 से भी महंगा MQ-4C Triton ड्रोन क्रैश

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका को एक बड़ा सैन्य नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिकी नौसेना ने पुष्टि की है कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में उसका सबसे उन्नत और महंगा निगरानी ड्रोन MQ-4C Triton दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। यह एक हाई-एल्टीट्यूड लॉन्ग-एंड्योरेंस (HALE) मानवरहित विमान है, जिसकी कीमत लगभग 200 से 250 मिलियन डॉलर बताई जाती है, जो दो F-35 लड़ाकू विमानों के बराबर है। नौसेना के अनुसार यह घटना 9 अप्रैल को होर्मुज़ जलडमरूमध्य के पास एक मिशन के दौरान हुई, जब ड्रोन ने "कोड 7700 अलर्ट" जारी किया था, जो विमानन आपात स्थिति का संकेत है। इसके बाद यह विमान लापता हो गया था। मंगलवार को जारी अमेरिकी नौसेना की दुर्घटना रिपोर्ट में पुष्टि की गई कि MQ-4C Triton "दुर्घटनाग्रस्त" हो गया, हालांकि इसमें किसी भी कर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है।रिपोर्ट में दुर्घटना के कारणों का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। शुरुआती रिपोर्टों में दावा किया गया था कि संभवतः ड्रोन को ईरानी

वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया, हालांकि अमेरिकी नौसेना ने इसे स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसे केवल दुर्घटना बताया है। MQ-4C Triton अमेरिकी नौसेना का अत्याधुनिक समुद्री निगरानी प्लेटफॉर्म है, जो 50,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर 24 घंटे से अधिक समय तक उड़ान भर सकता है। यह विशाल समुद्री क्षेत्रों की निगरानी, खुफिया जानकारी एकत्र करने और सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह Boeing P-8A Poseidon विमान के साथ मिलकर समुद्री निगरानी क्षमता को और मजबूत करता है। इससे पहले भी इस क्षेत्र में अमेरिकी ड्रोन नुकसान का सामना कर चुके हैं। 2019 में ईरान ने एक RQ-4A Global Hawk ड्रोन को मार गिराया था, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

संपादक की कलम से

वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय बन चुका है। तेजी से हो रहे औद्योगीकरण, शहरीकरण और बढ़ती जनसंख्या के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन हो रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, जल संकट और जैव विविधता का ह्रास जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।आज हम जिस हवा में साँस लेते हैं, वह पहले की तुलना में अधिक प्रदूषित हो चुकी है। शहरों में बढ़ते वाहन, कारखानों से निकलने वाला धुआँ और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने वायु गुणवत्ता को काफी प्रभावित किया है। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, जिससे श्वसन संबंधी बीमारियाँ बढ़ रही हैं। जल प्रदूषण भी एक बड़ी चिंता का विषय है। नदियों, झीलों और अन्य जल स्रोतों में औद्योगिक कचरा और घरेलू अपशिष्ट मिल जाने से पानी की गुणवत्ता दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। इसके कारण न केवल पीने योग्य पानी की कमी हो रही है, बल्कि जलीय जीवों का जीवन भी संकट में पड़ गया है। इसके अलावा, जंगलों की कटाई से वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहा है। इससे कई प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर पहुँच गई हैं। जैव विविधता का संतुलन बिगड़ने से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल सरकार के प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमें छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे, जैसे पेड़ लगाना, पानी और बिजली की बचत करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना और कचरे का सही निपटान करना। इसके साथ ही, पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना भी आवश्यक है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस दिशा में योगदान दे सकें।सरकार को भी सख्त पर्यावरणीय कानून लागू करने चाहिए और उनके पालन को सुनिश्चित करना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम हो सके।अंततः, पर्यावरण की रक्षा करना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी अनिवार्य जिम्मेदारी है। यदि हम आज सचेत नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक अस्वस्थ और असंतुलित पर्यावरण का सामना करना पड़ेगा। इसलिए समय रहते हमें कदम उठाने होंगे, ताकि हम एक स्वच्छ, सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित कर सकें।

CM स्टालिन ने जलाई विधेयक की कॉपी, जताया कड़ा विरोध

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन के खिलाफ काला झंडा फहराकर और विधेयक जलाकर विरोध जताया। उन्होंने इसे "काला कानून" बताया और राज्यव्यापी आंदोलन की शुरूआत की। विपक्ष का कहना है कि यह कदम राज्यों के प्रतिनिधित्व और संघीय ढांचे को प्रभावित कर सकता है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन (डीलिमिटेशन) के खिलाफ अपना विरोध और तेज करते हुए गुरुवार को राज्यव्यापी आंदोलन की औपचारिक शुरूआत कर दी। इस दौरान उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से काले झंडे फहराए और विवादित विधेयक की प्रति जलाकर केंद्र सरकार के प्रस्ताव के खिलाफ कड़ा संदेश दिया।चेन्नई में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में मुख्यमंत्री स्टालिन काले वस्त्रों में नजर आए और उन्होंने केंद्र सरकार के संविधान (131वें संशोधन) विधेयक, 2026 को "काला कानून" करार दिया। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के परिसीमन और पुनर्गठन से संबंधित है, जिसका आधार जनसंख्या को माना जा रहा है। प्रस्तावित बदलावों को लेकर दक्षिणी राज्यों में चिंता बढ़ रही है, क्योंकि उन्हें आशंका है कि इससे उनके संसदीय प्रतिनिधित्व पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी और तमिलनाडु में व्यापक जन आंदोलन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह विरोध केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह तमिलनाडु के अधिकारों और संघीय ढांचे की रक्षा की लड़ाई है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे इस आंदोलन का हिस्सा बनें और केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएं। स्टालिन ने अपने संबोधन में ऐतिहासिक आंदोलनों का उल्लेख करते हुए कहा कि तमिलनाडु ने पहले भी भाषा और अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर मजबूत संघर्ष किया है और दिल्ली को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने दावा किया कि इस बार भी राज्य की जनता इसी तरह एकजुट होकर प्रस्तावित परिसीमन का विरोध करेगी।यह विरोध ऐसे समय में हो रहा है जब केंद्र सरकार संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र में परिसीमन और चुनावी सुधारों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विधेयकों को पेश करने की तैयारी कर रही है। इनमें महिला आरक्षण और अन्य संवैधानिक संशोधन से जुड़े प्रस्ताव भी शामिल हैं। इन विधेयकों को लेकर देश की राजनीति में पहले से ही गर्माहट बनी हुई है। विपक्षी दलों ने भी परिसीमन को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि जनसंख्या आधारित परिसीमन से लोकसभा में सीटों का संतुलन बिगड़ सकता है और कुछ राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है। विशेषकर दक्षिणी राज्यों को डर है कि जनसंख्या नियंत्रण नीतियों का पालन करने के बावजूद उन्हें कम प्रतिनिधित्व मिल सकता है। यह मुद्दा आने वाले समय में केंद्र और राज्यों के बीच तनाव को और बढ़ा सकता है। परिसीमन को लेकर शुरू हुआ यह विवाद अब केवल एक विधेयक तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह संघीय ढांचे, क्षेत्रीय अधिकारों और राजनीतिक संतुलन का बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। इस तरह, एम.के. स्टालिन का यह विरोध प्रदर्शन न केवल तमिलनाडु की राजनीति में हलचल पैदा कर रहा है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी एक नए विवाद को जन्म दे रहा है।

गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा बयान—जातिगत जनगणना होगी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

संसद का तीन दिवसीय सत्र (16 से 18 अप्रैल) जारी है, जिसमें सरकार ने कई अहम विधेयक सदन में पेश किए हैं। इनमें महिला आरक्षण विधेयक, संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक और परिसीमन विधेयक प्रमुख हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इन विधेयकों को लोकसभा में पेश करते हुए बहस की शुरूआत की। इस दौरान सत्र में संख्या बल और बहुमत का मुद्दा प्रमुख चर्चा का केंद्र बना रहा, क्योंकि एनडीए के पास 292 सीटें हैं जबकि विपक्ष के पास 233 सीटें हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि देश में जनगणना का कार्य प्रारंभ हो चुका है और इसमें व्यक्तिगत डेटा संकलन के साथ जातिगत गणना भी शामिल की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि संविधान धार्मिक आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता, इसलिए इस तरह की मांगें असंवैधानिक हैं। अमित शाह ने विपक्षी नेता केसी वेणुगोपाल पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि वे विधेयकों के तकनीकी पहलुओं पर सवाल

उठा सकते हैं, लेकिन उनके गुण-दोष पर नहीं। इस दौरान सरकार ने महिला आरक्षण अधिनियम से जुड़े 'संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026' और परिसीमन विधेयक 2026 को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव रखा।वहीं कांग्रेस ने इन विधेयकों को लेकर आपत्ति जताई और इसे 'संविधान विरोधी' बताया। पार्टी नेताओं का कहना है कि परिसीमन से जुड़े प्रावधान और महिला आरक्षण में संशोधन लोकतांत्रिक संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। इसी बीच राज्यसभा में नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित सदस्य नितिन नवीन ने भी हिंदी में शपथ ली। सदन में उपस्थित सदस्यों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने सभी नए सदस्यों को बधाई देते हुए उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्रीनगर में उमर अब्दुल्ला ने तिरंगे जैसे फीते को काटने से किया इनकार

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा श्रीनगर में एक कार्यक्रम के दौरान तिरंगे के रंग जैसे फीते को काटने से इनकार करने का मामला चर्चा का विषय बन गया है। इस घटना के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोग इसे राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान का उदाहरण मान रहे हैं। यह घटना बुधवार को श्रीनगर के कश्मीर हाट क्षेत्र में आयोजित हस्तशिल्प विभाग के कार्यक्रम "अपने कारीगरों को जानो" के दौरान हुई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों और उनकी पारंपरिक कला को प्रोत्साहन देना था। उद्घाटन समारोह के दौरान जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सामने फीता काटने के लिए प्रस्तुत किया गया, तो उन्होंने देखा कि फीते का रंग तिरंगे जैसा प्रतीत हो रहा था। इस पर उन्होंने तुरंत आपत्ति जताते हुए उसे काटने से इनकार कर दिया। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी से भी इस विषय पर चर्चा की, जिन्होंने उनकी बात से सहमति जताई। इसके बाद दोनों नेताओं ने फीता काटने के बजाय उसे सावधानीपूर्वक खोलने का सुझाव दिया। आयोजकों से आग्रह किया गया कि इस फीते का उपयोग उद्घाटन के लिए न किया जाए

और इसे सम्मानपूर्वक सुरक्षित रखा जाए।इस पूरी घटना का वीडियो सामने आने के बाद यह तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद देशभर में इस पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई लोगों ने मुख्यमंत्री के इस कदम को राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का प्रतीक बताया। भारतीय जनता पार्टी ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी है। जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय ध्वज के रंग जैसे फीते का उपयोग करना एक गंभीर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक स्तर पर हुई गलती प्रतीत होती है और इसकी जांच होनी चाहिए।

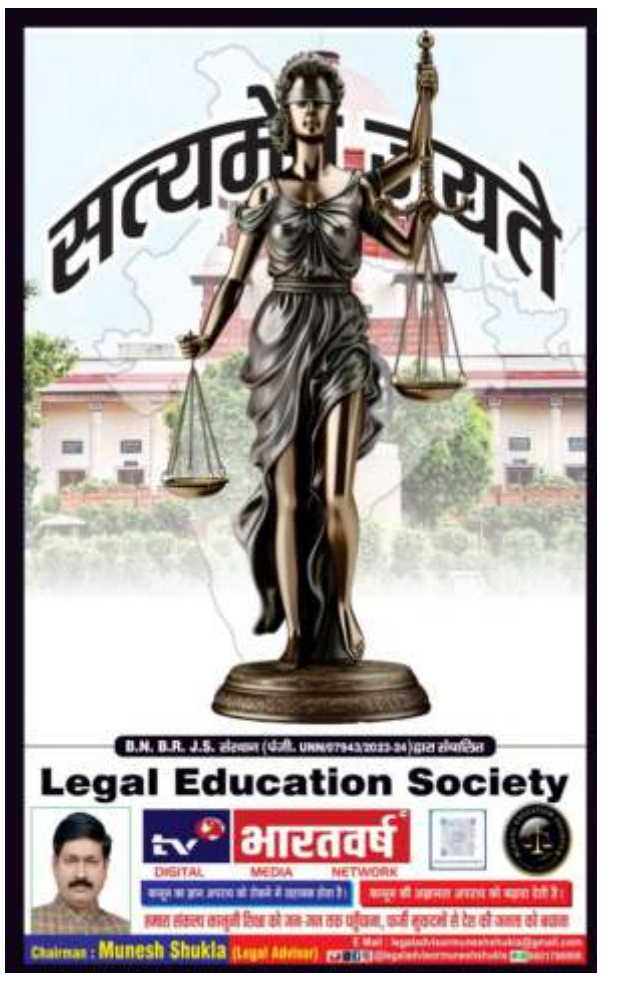

डॉलर गिरा तो सोना चमका, निवेशकों की फिर लगी लाइन

देश में सोना और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेज़ी दर्ज की गई है, जिससे सर्राफा बाजार में हलचल बढ़ गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 3,656 रुपये बढ़कर 2.53 लाख रुपये पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत लगभग 2.49 लाख रुपये प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 440 रुपये की बढ़त के साथ 1,53,305 रुपये पर पहुंच गया है। बीते दो दिनों में सोना 3,294 रुपये और चांदी 15,694 रुपये महंगी हो चुकी है।विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का इन कीमती धातुओं की कीमतों पर सीधा असर पड़ रहा है। खासतौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता दोबारा शुरू होने की उम्मीद ने वैश्विक बाजार को प्रभावित किया है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है, महंगाई का दबाव कुछ कम हुआ है और डॉलर में कमजोरी देखने को मिली है। ऐसे माहौल में निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश विकल्पों—जैसे सोना और चांदी—की ओर बढ़ा है, जिससे इनके दाम ऊपर गए हैं। साल 2026 में अब तक सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष अब तक सोना करीब 20,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 22,255 रुपये प्रति किलो महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को जहां 10 ग्राम सोने की कीमत करीब 1.33 लाख रुपये थी, वहीं अब यह बढ़कर 1.53 लाख रुपये के पार पहुंच गई है। इसी तरह चांदी की कीमत 2.30 लाख रुपये प्रति किलो से बढ़कर 2.53 लाख रुपये तक पहुंच गई है। हालांकि, इस दौरान रिकॉर्ड स्तर भी देखने को मिले। 29 जनवरी को सोने ने करीब 1.76 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी ने 3.86 लाख रुपये प्रति किलो का ऑलटाइम हाई छुआ था। इसके बाद बाजार में कुछ गिरावट आई, लेकिन हालिया दिनों में फिर से तेजी का रुख देखने को मिल रहा है। सरकारी नीतियों का भी इन कीमतों पर प्रभाव पड़ा है। विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा जारी नए नियमों के तहत सोने, चांदी और प्लेटिनम के आभूषणों को 'फ्री' कैटेगरी से हटाकर 'रिस्ट्रिक्टेड' कैटेगरी में डाल दिया गया है। अब इनकी आयात प्रक्रिया के लिए विशेष लाइसेंस या सरकारी अनुमति आवश्यक होगी। सरकार का कहना है कि यह कदम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) के दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया गया है।

भारतीय महिला शतरंज को मिली बड़ी अंतरराष्ट्रीय सफलता

भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ी आर. वैशाली ने इतिहास रचते हुए फिडे विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उनकी इस जीत को भारतीय शतरंज के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस जीत के बाद अब वैशाली का अगला लक्ष्य महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप है, जहां वह चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को चुनौती देंगी। जू वेनजुन पांच बार की विश्व चैंपियन रह चुकी हैं और लंबे समय से महिला शतरंज में अपना दबदबा बनाए हुए हैं। ऐसे में वैशाली के सामने यह मुकाबला बेहद कठिन और चुनौतीपूर्ण होने वाला है।टूर्नामेंट के अंतिम दौर में वैशाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कैटरीना लेगनो को हराकर खिताब अपने नाम किया। उन्होंने पूरे मुकाबले में संयम और रणनीति का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस निर्णायक जीत के साथ उन्होंने न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की, बल्कि भारतीय शतरंज के इतिहास में भी एक नया अध्याय जोड़ा।इस खिताब की दौड़ में स्थिति तब वैशाली के पक्ष में बनी जब भारत की ही युवा खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने बिबिसारा असाउबायेवा को ड्रॉ पर रोक दिया। इसके बाद अंतिम राउंड में वैशाली को बढ़त हासिल करने का मौका मिला, जिसे उन्होंने पूरी तरह भुनाया। सफेद मोहरों से खेलते हुए उन्होंने लेगनो के खिलाफ निर्णायक जीत दर्ज की। वैशाली ने पूरे टूर्नामेंट में कुल 8.5 अंक हासिल किए और शानदार निरंतरता दिखाई। उनकी यह उपलब्धि ग्रैंडमास्टर कोनेरु हम्पी की उपलब्धियों की याद दिलाती है, जिन्होंने भारतीय महिला शतरंज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई थी।

विराट कोहली का जलवा बरकरार, IPL 2026 में फिर चमके 'किंग'

CSK को बड़ा झटका, खलील अहमद पूरे IPL 2026 से बाहर

चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल 2026 के बीच एक और बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज खलील अहमद चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी की ओर से इस पर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी चोट गंभीर है। समाचार एजेंसी के अनुसार, खलील अहमद को क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशी) में ग्रेड-2 टियर हुआ है, जिसके चलते उन्हें कम से कम 10 से 12 हफ्तों तक मैदान से दूर रहना होगा। उन्होंने 14 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान दाहिने कूल्हे में दर्द की शिकायत की थी। इसके बाद मेडिकल जांच में चोट की पुष्टि हुई। खलील अहमद इस सीजन में चेन्नई के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और शुरुआती मुकाबलों में टीम के प्रमुख गेंदबाजों में शामिल थे। उन्होंने अब तक खेले गए सभी पांच मैचों में हिस्सा लिया था और अपनी गेंदबाजी से टीम को महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाई थीं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के गेंदबाजी आक्रमण के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। इससे पहले टीम को एमएस धोनी की चोट ने भी परेशान किया हुआ था। हालांकि ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक धोनी अब फिटनेस हासिल करने के करीब हैं और उनका वापसी मैच 23 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ हो सकता है। वहीं, ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके का अगला मुकाबला 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेला जाना है। टीम पहले ही संतुलन बनाने की चुनौती से जूझ रही है और अब खलील की गैरमौजूदगी से यह चुनौती और बढ़ गई है। ऐसे में चेन्नई सुपर किंग्स को आगामी मुकाबलों में अपनी गेंदबाजी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है, ताकि टीम टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रख सके।

'डोसा-इडली' गाने पर CSK ने जताई कड़ी आपत्ति

इंडियन प्रीमियर लीग के 2026 सीजन में जहां मैदान पर रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं, वहीं अब मैदान के बाहर विवाद भी चर्चा का विषय बनते जा रहे हैं। हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान स्टेडियम में बजाए गए एक गाने और कुछ टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई है।यह घटना 5 अप्रैल को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैच के दौरान 'गाना अप्पू' का एक चर्चित गाना बजाया गया, जिसके बोल 'डोसा, इडली, सांभर, चटनी' हैं। यह गाना सोशल मीडिया पर अक्सर दक्षिण भारतीयों से जुड़े रूढ़िवादी मीम्स में इस्तेमाल किया जाता है। CSK प्रबंधन का मानना है कि इस गाने का उपयोग और इसके साथ की गई टिप्पणियां खेल भावना के खिलाफ थीं। फ्रेंचाइजी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को एक औपचारिक पत्र लिखकर जांच की मांग की है। CSK के मैनेजिंग डायरेक्टर काशी विश्वनाथन ने कहा कि आमतौर पर घरेलू मैदानों पर DJ का उद्देश्य अपनी टीम का समर्थन करना होता है, लेकिन इस मैच के दौरान माहौल अलग नजर आया और विरोधी टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ टिप्पणियां की गईं। IPL के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि शिकायत प्राप्त हो गई है और इसकी समीक्षा की जा रही है। संभावना है कि IPL गवर्निंग काउंसिल इस मामले की जांच करेगी। हालांकि अभी तक इस पर कोई आधिकारिक निर्णय सामने नहीं आया है। यह विवाद नया नहीं है।

कौन हैं कृष भगत? IPL 2026 में मुंबई इंडियंस की नई एंट्री

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 के बीच अपने घायल खिलाड़ी अथर्व अंकोलेकर के रिप्लेसमेंट के तौर पर युवा ऑलराउंडर कृष भगत को टीम में शामिल किया है। फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। अंकोलेकर को सीजन शुरू होने से पहले घुटने में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें पूरे टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। मुंबई इंडियंस ने चार मुकाबले खेलने के बाद यह फैसला लिया है। टीम का प्रदर्शन इस सीजन में अब तक निराशाजनक रहा है। हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली टीम ने अब तक केवल एक ही मैच जीता है, जबकि लगातार तीन मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में टीम संतुलन सुधारने के लिए यह बदलाव अहम माना जा रहा है। टीम की चिंता यहीं खत्म नहीं होती। पिछले मुकाबले में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा भी चोटिल हो गए थे। उनकी फिटनेस को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और माना जा रहा है कि वे आगामी मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। इससे टीम की बल्लेबाजी और कमजोर पड़ सकती है। 21 वर्षीय कृष भगत एक दाएं हाथ के ऑलराउंडर हैं, जो घरेलू क्रिकेट में पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे एक तेज गेंदबाज के रूप में टीम को अतिरिक्त विकल्प देते हैं और निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। भगत पिछले दो वर्षों से मुंबई इंडियंस के ट्रायल का हिस्सा रहे हैं और टीम मैनेजमेंट की नजर में लगातार बने हुए थे।हाल ही में उन्होंने डीवाई पाटिल टी20 कप में रिलायंस टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया

था। इसके अलावा, वे प्री-सीजन से ही मुंबई इंडियंस के साथ एक सपोर्ट बॉलर के रूप में जुड़े रहे हैं। फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में कहा कि भगत ने अपनी मेहनत, समर्पण और अभ्यास सत्रों में लगातार शानदार प्रदर्शन से कोचिंग स्टाफ को प्रभावित किया है।

कपल ने जर्सी खोलकर रिवील किया बेटे का नाम

RCB फैन का 'विराट' स्वागत

आईपीएल का जुनून लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है, लेकिन महाराष्ट्र के एक कपल ने तो हद ही पार कर दी.बेटे के नामकरण में ऐसा ट्विस्ट दिया कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो गया, अब हर कोई यही पूछ रहा है कि आखिर ऐसा क्या किया इस कपल ने?

इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ऐसी टीम मानी जाती है, जिसके फैंस की वफादारी के किस्से हर साल सुनने को मिलते हैं.

भले ही टीम कई बार फैंस की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई हो और आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम कम ही कर सकी हो लेकिन फैंस का प्यार जरा भी कम नहीं हुआ है. इन दिनों आईपीएल का सीजन चल रहा है और देशभर में क्रिकेट का जुनून साफ दिखाई दे रहा है. इसी बीच महाराष्ट्र से एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने दिखा दिया कि आरसीबी के फैंस अपने प्यार को किस हद तक ले जा सकते हैं. दरअसल, एक कपल ने अपने बेटे के नामकरण को बिल्कुल अलग अंदाज में मनाया.

आमतौर पर जहां नामकरण में पंडित या परिवार के लोग नाम बताते हैं, वहीं इस कपल ने क्रिकेट का तड़का लगा दिया. आरसीबी फैंस का हौसला इस बार बुलंद है. इस बार भी फैंस को उम्मीद है कि टीम पिछले साल की तरह इस सीजन में भी आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम करेगी.

इंस्टाग्राम पर वायरल इस वीडियो में दिखता है कि फूलों और लाइट्स से सजी स्टेज पर पिता एक जर्सी हाथ में लिए खड़े हैं, जबकि मां बच्चे को गोद में लिए हुए हैं. माहौल बिल्कुल किसी फिल्मी सीन जैसा लग रहा था.जैसे ही जर्सी खोली गई, उस पर लिखा नाम था-विराट. बस फिर क्या था, वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजानी शुरू कर दीं और पूरा माहौल खुशी से गूंज उठा. ये नाम सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के प्रति प्यार और सम्मान का प्रतीक भी था.

सोशल मीडिया पर भी इस वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है. कई यूजर्स ने इसे अब तक का सबसे प्यारा नामकरण बताया, तो कुछ ने इसे क्रिकेट फैनडम की सबसे खूबसूरत मिसाल कहा. इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है, हालांकि हालिया मैच में हार से टीम को थोड़ा झटका जरूर लगा है. 12 अप्रैल 2026 तक टीम ने 3 मैच खेले हैं, जिनमें 2 में जीत और 1 में हार मिली है. ⊙

पहले नौकरी से निकाला, फिर उसी से रिप्लेसमेंट को ट्रेन करवाया

आज के समय में जॉब की दुनिया में स्थिरता और सम्मान दोनों ही बड़ी बातें मानी जाती हैं, लेकिन एक महिला के साथ जो हुआ, उसने वर्कप्लेस कल्चर पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर वायरल हो रही इस पोस्ट में महिला ने बताया कि कंपनी ने उसे यह कहकर नौकरी से निकाल दिया कि 'अब काम नहीं है.' हालांकि कुछ समय बाद उसे पता चला कि उसी रोल के लिए दो नए लोगों को हायर कर लिया गया है. यह बात उसके लिए काफी चौंकाने वाली थी. ⊙

फिजियोथेरेपिस्ट ने चुना स्वदेश वापसी का रास्ता

यूके की 40 लाख की नौकरी और 'जेल' जैसा अहसास

विदेश में नौकरी को अक्सर 'ड्रीम जॉब' माना जाता है, खासतौर पर अमेरिका, यूरोप और ब्रिटेन जैसे देशों में. लेकिन क्या वहां की जिंदगी सच में उतनी ही बेहतरीन होती है, जितनी दूर से दिखाई देती है? इसी सवाल के बीच एक कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जो लोगों को सोचने पर मजबूर कर रही है. यह कहानी है फिजियोथेरेपिस्ट मानव शाह की, जिन्होंने UK में करीब 40 लाख रुपये सालाना की नौकरी हासिल की थी. करियर की शुरुआत शानदार थी, सब कुछ ठीक चलता हुआ नजर आ रहा था, लेकिन अंदर ही अंदर उन्हें कुछ कमी महसूस होने लगी थी. ⊙

दक्षिण कोरिया के स्कूलों का खाना हुआ वायरल

फाइव स्टार होटल जैसा 'स्कूल लंच'

दक्षिण कोरिया के स्कूलों में मिलने वाला लंच इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल है. वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि वहां बच्चों के लिए रोजाना किस तरह का खाना तैयार किया जाता है और किस तरह सफाई व पोषण का खास ध्यान रखा जाता है. वीडियो में किचन की पूरी प्रक्रिया स्टेप-बाय-स्टेप नजर आती है. बड़े-बड़े स्टील के बर्तनों और ट्रे में ताजी सब्जियां, चावल, सूप, प्रोटीन (मांस/मछली/टोफू), किमची और अन्य साइड डिशेस को सलीके से तैयार किया जा रहा है. इसके बाद कंपार्टमेंट वाली ट्रे में एक-एक कर पूरा बैलेंस्ड मील सजाया जाता है, जिसमें चावल, मुख्य व्यंजन, 2-3 सब्जियां, सूप, सलाद और किमची शामिल होते हैं. किचन स्टाफ मास्क और ग्लव्स पहने बेहद साफ-सुथरे और तेज तरीके से हर ट्रे को बराबर मात्रा में भरते हैं, जिससे पूरा प्रोसेस प्रोफेशनल दिखता है. खाने की प्रेजेंटेशन भी काफी रंग-बिरंगी और आकर्षक है.हरा, लाल, सफेद और नारंगी रंग इसे बच्चों के लिए और लुभावना बनाते हैं. सबसे खास बात यह है कि सैकड़ों बच्चों के लिए एक साथ सैकड़ों ट्रे तैयार हो रही हैं, लेकिन पूरा सिस्टम बेहद ऑर्गनाइज्ड और हाइजीनिक नजर आता है. कोरियाई स्कूल लंच में आमतौर पर चावल या नूडल्स, प्रोटीन (मीट, फिश या चिकन), ताजी सब्जियां और सलाद, किमची और सूप शामिल होते हैं. ⊙

रणबीर कपूर TIME 100 लिस्ट में शामिल सबसे प्रभावशाली हस्तियों में शामिल

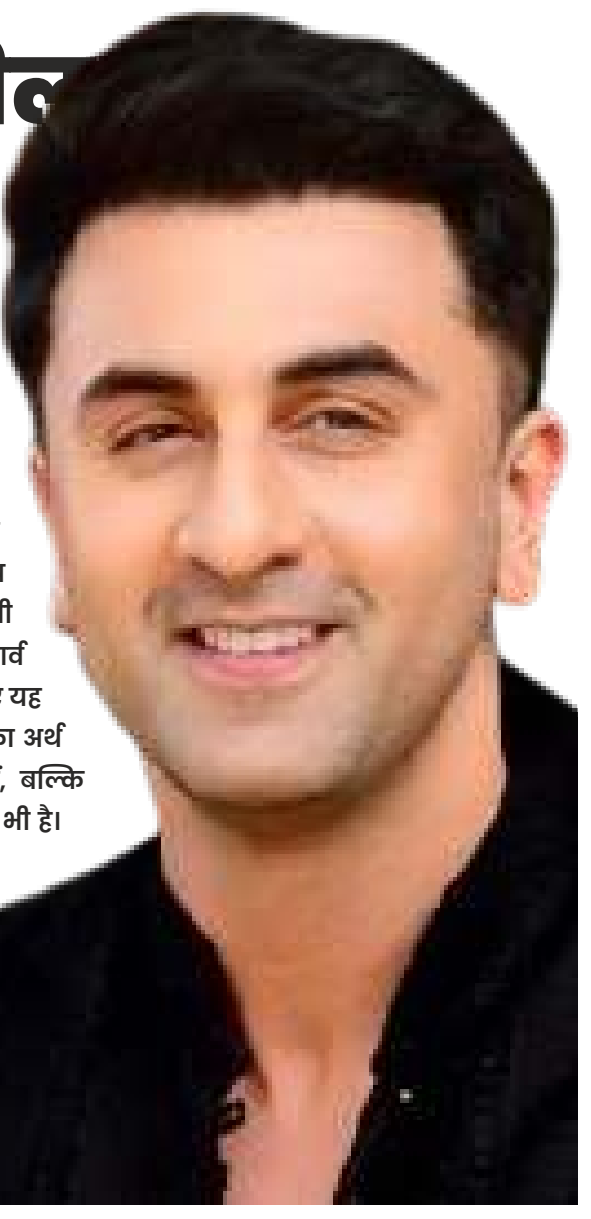

भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता रणबीर कपूर ने अपने करियर में एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। प्रतिष्ठित टाइम मैगज़ीन ने उन्हें वर्ष 2026 की "100 सबसे प्रभावशाली लोगों" (TIME 100) की सूची में शामिल किया है। यह सम्मान न केवल उनके शानदार अभिनय का प्रमाण है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारतीय सिनेमा और संस्कृति के बढ़ते प्रभाव को भी दर्शाता है। रणबीर कपूर लंबे समय से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं। 'चॉकलेट बॉय' की छवि से निकलकर उन्होंने खुद को एक परिपक्व और प्रयोगधर्मी अभिनेता के रूप में स्थापित किया है। 'रॉकस्टार' और 'बर्फी!' जैसी फिल्मों में उनके प्रदर्शन को आज भी उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ कामों में गिना जाता है। उन्होंने कमर्शियल और कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा के बीच संतुलन बनाते हुए अपने अभिनय का एक अलग ही मानक स्थापित किया है।इस खास उपलब्धि को और भी खास बनाता है आयुष्मान खुराना द्वारा लिखा गया उनका प्रोफाइल। आयुष्मान ने रणबीर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन कलाकारों में से हैं जो शोर-शराबे से दूर रहकर दर्शकों की भावनाओं को गहराई से छूते हैं। उनके अनुसार, रणबीर का अभिनय दिखावटी नहीं, बल्कि भीतर से महसूस किया हुआ होता है, जो दर्शकों के साथ एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव बनाता है। आयुष्मान ने यह भी कहा कि रणबीर उस नए भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जो केवल आकार और सफलता में ही नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और आत्म-अभिव्यक्ति में भी विकसित हो रहा है। उन्होंने रणबीर को एक ऐसे कहानीकार के रूप में बताया, जो अपनी फिल्मों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और पौराणिक कथाओं को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचा रहे हैं। रणबीर कपूर के करियर में यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब वह अपने आने वाले बड़े प्रोजेक्ट 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वे भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट पहले से ही भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक माना जा रहा है और इससे रणबीर के करियर को एक नया आयाम मिलने की उम्मीद है। इस सूची में रणबीर के अलावा सुंदर पिचाई और विकास खन्ना जैसी भारतीय हस्तियों का शामिल होना यह दर्शाता है कि भारत की प्रतिभा अब वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। मनोरंजन जगत के जानकारों का मानना है कि यह सम्मान रणबीर कपूर के करियर के एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह उनकी अब तक की यात्रा का जश्न तो है ही, साथ ही उनके भविष्य की संभावनाओं की भी झलक देता है। प्रशंसकों के लिए यह एक गर्व का क्षण है, जबकि फिल्म इंडस्ट्री के लिए यह संकेत है कि आज के दौर में सफलता का अर्थ केवल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन नहीं, बल्कि वैश्विक प्रभाव और सांस्कृतिक योगदान भी है। इस तरह, रणबीर कपूर का TIME 100 में शामिल होना भारतीय सिनेमा की बढ़ती वैश्विक पहचान का एक मजबूत उदाहरण बनकर सामने आया है।

लखनऊ के विकासनगर में भीषण आग, 250 से ज्यादा झोपड़ियां जलकर खाक

लखनऊ के विकासनगर में भीषण आग से 250 से अधिक झोपड़ियां जल गईं। हादसे में दो मासूम सगी बहनों की मौत हो गई। दमकल ने 3 घंटे में आग बुझाई। कई लोग झुलसे और लापता बताए जा रहे हैं, राहत-बचाव कार्य जारी है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के विकासनगर इलाके में बुधवार शाम एक भीषण अग्निकांड ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। सेक्टर-11 के पास रिंग रोड से सटी झोपड़पट्टी में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और सैकड़ों झोपड़ियां इसकी चपेट में आ गईं। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक भारी तबाही हो चुकी थी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की शुरुआत एक छोटी चिंगारी से हुई, जो तेज हवा के चलते तेजी से फैल गई। घनी आबादी और झोपड़ियों के करीब-करीब बने होने के कारण आग ने सेक्टर-11 से लेकर सेक्टर-14 तक लगभग 250 से अधिक झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते पूरा इलाका धुएं और आग की लपटों से भर गया, जिससे वहां अफरातफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों से बाहर भागते नजर आए। स्थिति उस समय और भयावह हो गई जब झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर एक के बाद एक फटने लगे। तेज धमाकों की आवाजों से पूरा इलाका गूंज उठा और आग पर काबू पाना और भी मुश्किल हो गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन इस हादसे ने दो मासूम जिंदगियों को निगल लिया। देर रात तक चले राहत कार्य के दौरान मलबे से दो सगी बहनों के शव बरामद किए गए। इनमें एक दो महीने की बच्ची और दूसरी दो वर्षीय श्रुति थी, जो आग की चपेट में आकर जिंदा जल गईं। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस दर्दनाक घटना की पुष्टि अमरेंद्र कुमार सेंगर ने की।उन्होंने बताया कि दोनों बच्चियां बाराबंकी जिले के रामसनेही घाट थाना क्षेत्र के काशीपुरवा गांव निवासी सतीश की बेटियां थीं। हादसे के बाद परिवार और स्थानीय लोगों में गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस आग में कई लोग लापता भी हो सकते हैं और कुछ लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।यह हादसा एक बार फिर शहरी झोपड़पट्टियों में सुरक्षा इंतजामों की कमी और आग से बचाव के उपायों पर सवाल खड़े करता है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकना मुश्किल हो सकता है।

लखनऊ में बढ़ा गर्मी का कहर, पारा 40 डिग्री के पार जाने की चेतावनी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ नगर निगम की सदन बैठक बुधवार को करीब सवा दो घंटे तक हंगामेदार माहौल में चली। सुबह 9 बजे जैसे ही बैठक शुरू हुई, सोलर पैनल पर दी जा रही छूट को लेकर चर्चा शुरू हो गई, जो जल्द ही तीखी बहस में बदल गई। बैठक के दौरान भाजपा पार्षद नागेंद्र सिंह की एक टिप्पणी ने विवाद को और बढ़ा दिया। उन्होंने कहा, "किसी को कुछ नहीं आता, चुनाव चिह्न छाता।" इस बयान पर मेयर सुषमा खर्कवाल नाराज हो गईं और कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि "कोई भी मां के पेट से सीखकर नहीं आता। अगर किसी को दिक्कत है तो वह सदन छोड़ सकता है।" इस दौरान कुछ पार्षदों ने उन्हें बोलने का अवसर न मिलने का आरोप लगाया। विरोध जताते हुए भाजपा पार्षद हरिश्चंद्र लोधी, उमेश सनवाल और प्रमोद सिंह राजन ने सदन से वॉकआउट कर दिया। उनके इस कदम से बैठक का माहौल और गरमा गया।बैठक के दौरान समय की पाबंदी को लेकर भी सख्ती देखने को मिली। देरी से पहुंचने पर मेयर ने लायन एनवायर कंपनी के मालिक रणधीर सिंह को फटकार लगाई और पूछा कि वे देर से क्यों आए। इस पर कुछ देर तक सदन में हल्की नोकझोंक भी हुई। हंगामे के बावजूद सोलर पैनल से जुड़े मुद्दों पर चर्चा जारी रही, लेकिन पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेद साफ तौर पर सामने आए। पार्षदों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा, जिससे बैठक का माहौल बार-बार बाधित हुआ।नगर निगम की यह बैठक शहर के विकास और योजनाओं पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी, लेकिन राजनीतिक तकरार के कारण कई बार कार्यवाही प्रभावित हुई।

लखनऊ में स्मार्ट मीटर के खिलाफ भड़का लोगों का गुस्सा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। गुरुवार दोपहर इंदिरानगर क्षेत्र के लोगों का गुस्सा उस समय फूट पड़ा, जब बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सेक्टर-14 स्थित पावर हाउस पहुंच गए। यहां उन्होंने बिजली विभाग और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।प्रदर्शनकारियों ने मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। लोगों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिल में भारी गड़बड़ी हो रही है। करीब एक घंटे तक पावर हाउस परिसर में प्रदर्शन करने के बाद अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और समस्या का समाधान निकालने का आश्वासन दिया। इसके बाद विभागीय अधिकारी खुद प्रदर्शनकारियों के साथ पैदल उनके इलाके तक गए, जो लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस दौरान उन्होंने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया।स्थानीय लोगों का कहना है कि वे नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान कर रहे हैं, लेकिन भुगतान के कुछ ही समय बाद उनके मीटर में बिल की राशि माइनस में दिखने लगती है। इससे उन्हें बार-बार अतिरिक्त भुगतान करना पड़ रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने साफ तौर पर

कहा कि जब तक खराब स्मार्ट मीटरों को बदलकर पुराने या सही मीटर नहीं लगाए जाते, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। उनका आरोप है कि विभाग उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहा है और समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। इस मामले को लेकर अब बिजली विभाग पर दबाव बढ़ता जा रहा है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि तकनीकी जांच कराकर जल्द ही समस्या का समाधान किया जाएगा। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

मेट्रो फेज-2 को 2883 करोड़ की फंडिंग

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

ाजधानी लखनऊ में मेट्रो विस्तार परियोजना को बड़ा वित्तीय सहारा मिल गया है। चारबाग से बसंतकुंज तक बनने वाले ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर (फेज-2) के लिए ब्रिक्स देशों के बैंक न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) ने लोन देने पर सहमति दे दी है। यह बैंक परियोजना की कुल लागत का 50 प्रतिशत यानी 2883.93 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराएगा। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 5801.05 करोड़ रुपये है। इसमें शेष आधी राशि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर वहन करेंगी। दोनों सरकारें 1446.96-1446.96 करोड़ रुपये का योगदान देंगी। फिलहाल उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लोन से जुड़ी औपचारिकताओं को पूरा कर रहा है, जिसमें लगभग डेढ़ से दो महीने का समय लग सकता है। इसके बाद निर्माण कार्य में तेजी आने की उम्मीद है। इससे पहले लखनऊ और कानपुर मेट्रो परियोजनाओं के लिए यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक से ऋण लिया गया था, लेकिन अधिक ब्याज दरों के चलते अब

एनडीबी से वित्तीय सहायता ली जा रही है।लोन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पहले चरण में पांच एलिवेटेड स्टेशनों और ठाकुरगंज से बसंतकुंज तक करीब 4.6 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड वायडक्ट का निर्माण शुरू किया जाएगा। इसमें डिपो को जोड़ने के लिए रैंप निर्माण भी शामिल होगा।स्ट-वेस्ट कॉरिडोर की कुल लंबाई 11.16 किलोमीटर होगी, जिसमें कुल 12 स्टेशन बनाए जाएंगे। इनमें से पांच स्टेशन एलिवेटेड और सात स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे। अंडरग्राउंड स्टेशनों में नवाबगंज, मेडिकल चौराहा, सिटी रेलवे स्टेशन, पांडेयगंज, अमीनाबाद, गौतमबुद्ध मार्ग और चारबाग शामिल हैं।

रहीमाबाद में अनियंत्रित ट्रक मकान में घुसा, बड़ा हादसा टला

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी के रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अनीपुर गांव में बुधवार सुबह एक अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे बने एक मकान में जा घुसा। इस हादसे में मकान का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। घटना सुबह करीब 10:30 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, केसरीपुर निवासी ट्रक चालक सराफत सस्पन की ओर से रहीमाबाद की तरफ जा रहा था। अनीपुर गांव के पास पहुंचते ही चालक ने ट्रक पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन सीधे महेंद्र उर्फ टीटू के घर की दीवार तोड़ते हुए अंदर घुस गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मकान की दीवारें ढह गईं और घर में रखा सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया। घटना के समय घर के सदस्य उस हिस्से में मौजूद नहीं थे, जहां ट्रक घुसा, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर उस समय कोई व्यक्ति वहां होता, तो जानमाल का भारी नुकसान हो सकता था। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने ट्रक चालक पर नशे में वाहन चलाने का आरोप लगाया है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।सूचना मिलते ही रहीमाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को कब्जे में लेकर चालक से पूछताछ शुरू कर दी है।

लखनऊ में Tata Motors का बड़ा माइलस्टोन: 10 लाखवीं गाड़ी तैयार, योगी आदित्यनाथ ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ में टाटा मोटर्स प्लांट में 10 लाख गाड़ियां बन चुकी हैं। बुधवार को सीएम योगी ने 10 लाखवीं गाड़ी (ई-बस) को हरी झंडी दिखाई। उसमें बैठे भी। इस दौरान टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने उन्हें गाड़ी की खासियत बताई। वहीं, टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा- आज हम सब यहां 10 लाखवें वाहन के साक्षी बने हैं। यहां कॉमर्शियल व्हीकल का उत्पादन किया जाता है। सप्लायर, पार्टनर और कम्युनिटी का एक मजबूत इकोसिस्टम है। हम अगले 5 साल में 20 लाख व्हीकल बनाएंगे।10 लाखवीं गाड़ी चिनहट स्थित देवा रोड प्लांट में बनी है। यह प्लांट 1992 में लखनऊ में स्थापित किया गया था। इससे करीब 8 हजार लोगों को रोजगार मिला है। यहां से 15 देशों में टाटा की गाड़ियां एक्सपोर्ट होती हैं। सीएम ने कहा- जब हम 'मोमेंटम' की बात करते हैं, तो यह केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं होता। जहां द्रव्यमान (mass) होता है, वहां गति (velocity) भी होती है। यही गति हमें नई ऊर्जा और ताकत देती है। यूपी 25 करोड़ की आबादी वाला राज्य है। इसमें 56% युवा हैं। हमने युवाओं को स्किल, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी से जोड़कर उन्हें मार्केट-रेडी और इंडस्ट्री-रेडी वर्कफोर्स बनाने का काम किया है। आज यूपी में जो औद्योगिक माहौल बना है, वह केवल कागजों या आंकड़ों में नहीं, बल्कि जमीन पर भी दिखाई देता है। बेहतर होती

कानून-व्यवस्था, तेजी से विकसित हो रहा इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत कनेक्टिविटी ये सभी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नई ताकत दे रहे हैं। बचपन से टाटा के वाहनों को जिंदगी का हिस्सा बनते देखा। हम सभी ने बचपन से टाटा मोटर्स के वाहनों को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनते देखा है। चाहे वह बसों में यात्रा हों या ट्रकों के जरिए देशभर में सामान पहुंचाना। समाज की अंतिम जरूरतों को पूरा करने में टाटा समूह हमेशा अग्रणी रहा है। आज भी टाटा का नाम विश्वास, गुणवत्ता और भरोसे का प्रतीक है।

लोग मानते हैं कि 'टाटा' का मतलब है- भरोसा। यह भरोसा उनकी मजबूत लीडरशिप, संस्थापकों के मूल्यों और लाखों कर्मचारियों की मेहनत का परिणाम है। यही वजह है कि भारत ही नहीं, दुनिया के कई देशों में टाटा के उत्पादों के प्रति विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है।

शादी-ब्याह और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों के दौरान गैस सिलेंडर की कमी से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में शादी-ब्याह और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों के दौरान गैस सिलेंडर की कमी से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिली है। जिला पूर्ति अधिकारी (डीएसओ) कार्यालय ने विशेष व्यवस्था लागू करते हुए आयोजनों के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

डीएसओ राज बहादुर ने बताया कि जिन परिवारों में शादी, तिलकोत्सव या अन्य कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, उन्हें 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए आयोजकों को कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र संलग्न कर डीएसओ कार्यालय में आवेदन करना होगा।

एक आयोजन में अधिकतम 5 सिलेंडर की सीमा

नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक आयोजन के लिए अधिकतम पांच कमर्शियल सिलेंडर दिए जाएंगे। इससे कुल 100 किलोग्राम तक गैस उपलब्ध कराई जा सकेगी, जिससे बड़े आयोजनों में रसोई व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके। घरेलू सिलेंडर नहीं, केवल कमर्शियल आपूर्ति

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस व्यवस्था में घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे। केवल 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर ही दिए जाएंगे। कैटरिंग सेवाओं के माध्यम से आयोजन करने वालों को उनके कनेक्शन पर बिना अतिरिक्त सिक्योरिटी मनी के सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे।

निजी आयोजकों के लिए शुल्क व्यवस्था तय

यदि कोई व्यक्ति अपने निजी स्थान पर स्वयं आयोजन करता है और उसके पास कमर्शियल कनेक्शन नहीं है, तो उसे प्रति सिलेंडर 2400 रुपये सिक्योरिटी मनी और 2254 रुपये निर्धारित कीमत के रूप में जमा करने होंगे। इस तरह एक सिलेंडर की कुल लागत 4654 रुपये होगी।

पारदर्शी वितरण के लिए डिजिटल सूचना प्रणाली

सिलेंडर वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए विभाग द्वारा आवेदनकर्ताओं को सिलेंडर लेने की तिथि की सूचना व्हाट्सएप या फोन कॉल के माध्यम से दी जाएगी, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

कंट्रोल रूम से मिलेगी सहायता

गैस से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए डीएसओ कार्यालय में कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। इसके लिए 8924095505 नंबर जारी किया गया है, जहां लोग अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। विभाग ने कर्मचारियों की शिफ्टवार ड्यूटी और अवकाश के दिनों में भी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सदर कोतवाली क्षेत्र में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव शहर के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान सिंगरोसी निवासी राजकुमार पुत्र होरीलाल के रूप में हुई है। उनका शव हिरन नगर के पास एक घर में पड़ा मिला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने घर के अंदर राजकुमार का शव संदिग्ध हालत में देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि राजकुमार पूर्व में एक निजी विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। सेवानिवृत्ति के बाद वह अपने गांव सिंगरोसी में रह रहे थे। क्षेत्र में उनकी अच्छी पहचान थी और वे सरल स्वभाव के व्यक्ति माने जाते थे। घटना की जानकारी मिलने पर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। हालांकि, मौत के कारणों को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है, जिसमें स्वाभाविक मौत, आत्महत्या या किसी अन्य कारण की आशंका भी शामिल है। सदर कोतवाली प्रभारी सीके मिश्र ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, इसलिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

गौशाला में अव्यवस्थाओं को लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं जमकर विरोध प्रदर्शन किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सिकंदरपुर सिरोसी ब्लॉक के ग्राम सम्भर खेड़ा स्थित गौशाला में अव्यवस्थाओं को लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। गौशाला में गोवंश की दयनीय स्थिति की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और जिम्मेदारों के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि गौशाला में बंद गोवंश की हालत बेहद खराब है और उनकी उचित देखभाल नहीं की जा रही है। बजरंग दल के पदाधिकारी जब मौके पर पहुंचे तो उन्होंने पाया कि गौशाला का गेट बंद था और उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही थी, जिससे कार्यकर्ताओं में आक्रोश और बढ़ गया। जिला संयोजक नितिन शुक्ला के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने बताया कि ग्राम प्रधान को सुबह से कई बार फोन किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया और न ही मौके पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं का कहना था कि यदि गौशाला में सब कुछ सही होता तो गेट बंद रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस दौरान मौके पर जिला सह संयोजक वैभव, जिला गौरक्षा प्रमुख विकास प्रजापति, प्रखंड संयोजक विकास चौहान सहित सोमेश, विजय, रज्जत सिंह, शिवम, शुभम, शिवमंगल, दीपक, सुमित, पंकज, अमित और विराज समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में गौशाला की स्थिति सुधारने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि गौशाला में गोवंश के लिए न तो पर्याप्त चारे की व्यवस्था है और न ही साफ-सफाई का ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कई मवेशियों के बीमार होने की भी आशंका जताई। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने प्रशासन से इस पूरे मामले की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा, ताकि उच्च स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

उन्नाव में STEM रेसिंग कार्यक्रम की शुरुआत, ग्रामीण छात्रों को मिल रही आधुनिक तकनीकी शिक्षा

उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही डायल 112 की पीआरवी टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, सहजनी-फत्तेपुर मार्ग पर ग्राम फत्तेपुर के बाहर सड़क किनारे शव पड़े होने की सूचना डायल 112 पर मिली थी। पीआरवी 6806 और गंगाघाट थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मृतक की पहचान फत्तेपुर, गंगाघाट निवासी लाखन (48) पुत्र सुन्दरलाल पासी के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि लाखन बुधवार शाम को घर से सामान लेने निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। गुरुवार सुबह गांव के बाहर सड़क किनारे उनका शव मिलने की सूचना मिली, जिससे परिवार में मातम छा गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया शव पर किसी स्पष्ट चोट के निशान नहीं मिले हैं। हालांकि, परिजनों का आरोप है कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान हैं और यह मामला संदिग्ध है। परिजन घटना की गहन जांच की मांग कर रहे हैं।चना मिलने पर क्षेत्राधिकारी (सीओ सिटी) दीपक यादव और इंस्पेक्टर गंगाघाट अजय सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों से बातचीत कर जानकारी ली, जिसके बाद जांच के निर्देश दिए गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

हाथरस में युवक की हत्या का खुलासा पत्नी समेत दो आरोपी गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के हाथरस में रितेश उर्फ छोटू की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है।मृतक के भाई की पत्नी और उसके परिचितों के बीच संबंधों को लेकर विवाद के चलते हत्या की साजिश रची गई।आरोपियों ने गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को करवन नदी में फेंक दिया।पुलिस ने एसओजी टीम की मदद से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है।

उत्तर प्रदेश आज जितेन्द्र सिंह पुत्र सुग्रीव सिंह निवासी ग्राम विशुनदास थाना मुरसान जनपद हाथरस द्वारा लिखित तहरीर के माध्यम से थाना मुरसान पर सूचना दी कि अपराधियों द्वारा उसके बडे भाई रितेश उर्फ छोटू पुत्र सुग्रीव सिंह का अपहरण कर करवन नदी के पास ले जाकर हत्या कर दी है। और शव को करवन नदी में ही डाल दिया है उक्त सूचना के आधार पर थाना मुरसान पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया पुलिस अधीक्षक तेजतर्रार चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए घटना कारित करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सादाबाद के नेतृत्व में थाना थाना पुलिस, एसओजी सहित पांच टीमों का गठन किया गया।विवेचना के क्रम में टीमों द्वारा टेक्निकल साक्ष्य धरातलीय साक्ष्य आदि साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गयी तथा अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु संभावित स्थानो पर दबिश दी गयी जिसके क्रम में आज दिनांक एसओजी टीम व थाना मुरसान पुलिस टीम द्वारा थाना मुरसान क्षेत्रान्तर्गत एक व्यक्ति का अपहरण कर हत्या की घटना में प्रकाश में आये दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी मूलचन्द्र उर्फ मोहित उर्फ मूला एवं विमल उर्फ बिल्ला उपरोक्त से पूछताछ में जुर्म का इकबाल करते हुए बताया कि हम दोनों का मृतक रितेश उर्फ छोटू के भाई जितेन्द्र की पत्नी से बात होती थी तथा हम दोनों की फोन पर भी अक्सर बाते होती रहती थी जितेन्द्र गुडगाँव में ड्राइवरी करता है तथा अक्सर घर से बाहर रहता है, जिसके कारण हम दोनों का जितेन्द्र की पत्नी के घर आना जाता रहता था। मृतक रितेश जो जितेन्द्र की पत्नी का जीजा जेठ को हमारे आने जाने से एतराज था इसलिये हम दोनों ने इसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई और समय करीब 21.30 बजे मूलचन्द्र उर्फ मोहित जितेन्द्र की पत्नी के घर पर मौजूद था तभी मृतक रितेश उर्फ छोटू शराब के नशे में मोटरसाईकिल की चाभी लेने घर के अन्दर आया। मूलचन्द्र को देख कर कहासुनी करने लगा तो मूलचन्द्र उपरोक्त ने जितेन्द्र की पत्नी की मदद से रितेश उर्फ छोटू का गमछे से मुँह दबा दिया जिससे दम घुटने से उसकी मृत्यु हो गयी। जितेन्द्र की पत्नी ने विमल को फोन कर बुलाया और प्लास्टिक के बोरे में बन्द कर मोटर साइकिल से ले जा कर करवन नदी में डाल दिया था।

एंबुलेंस में ऑक्सीजन और पेट्रोल खत्म, युवक की दर्दनाक मौत

रामपुर में लापरवाही का एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां एंबुलेंस में ऑक्सीजन और ईंधन खत्म होने के कारण एक युवक की जान चली गई। यह घटना बुधवार देर रात अहमदनगर जिबाई गांव की है, जिसने स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक की पहचान 38 वर्षीय कुलदीप सिंह के रूप में हुई है, जो पेशे से किसान थे। जानकारी के अनुसार, कुलदीप बुधवार रात करीब 10 बजे बाइक से अपने खेत की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया। इसके बाद परिजनों ने एक प्राइवेट एंबुलेंस किराए पर ली और कुलदीप को लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही हालात बिगड़ गए। परिजनों के अनुसार, आधे रास्ते में ही एंबुलेंस में लगा ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म हो गया, जिससे कुलदीप की हालत तेजी से बिगड़ने लगी। उन्होंने ड्राइवर से जल्द अस्पताल पहुंचने को कहा, लेकिन कुछ ही देर बाद एंबुलेंस का ईंधन भी खत्म हो गया और वाहन बीच रास्ते में रुक गया। ऑक्सीजन की कमी और इलाज में देरी के कारण कुलदीप ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने एंबुलेंस में तोड़फोड़ कर दी, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में मुरादाबाद के मझोला थाने में एंबुलेंस को सीज कर दिया गया है।इस घटना ने एक बार फिर आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की खामियों को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर ऑक्सीजन और ईंधन की व्यवस्था होती, तो शायद एक जान बचाई जा सकती थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही जा रही है।

जिला अधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ तहसील सासनी अलीगढ़ रोड स्थित जी आरटीएसफूड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का ओचक निरीक्षण किया

हाथरस 16 अप्रैल, 2026 जनपद में औद्योगिक इकाइयों की व्यवस्थाओं, उत्पादों की गुणवत्ता एवं कार्यरत कर्मचारियों की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ तहसील सासनी, अलीगढ़ रोड स्थित जीआरटीएस फूड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कंपनी में संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कंपनी में कार्यरत स्थायी एवं अस्थायी कर्मचारियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसपर कंपनी संचालक द्वारा अवगत कराया गया कि अस्थायी कर्मचारी प्रतिदिन कार्य हेतु आते हैं, जिनके माध्यम से कार्य संपादित कराया जाता है। जिलाधिकारी ने तैयार किए जा रहे उत्पादों में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, फायर सेफ्टी उपायों एवं उपयोग में लाई जा रही मशीनरी तथा उत्पादन प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कर्मचारियों के वेतन, भुगतान, श्रम सुरक्षा उपकरणों एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि स्थायी एवं अस्थायी दोनों प्रकार के कर्मचारियों को नियमानुसार मासिक/दैनिक वेतन का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, उत्पादों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागीय अधिकारियों को कंपनी के अभिलेखों एवं दस्तावेजों की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सासनी, क्षेत्राधिकारी पुलिस, वरिष्ठ कोषाधिकारी, उपायुक्त उद्योग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्यूरो चीफ दुष्यंत पचौरी हाथरस

"थानों पर हमला किया तो सीधा एक्शन" योगी की सख्त चेतावनी

योगी आदित्यनाथ ने गुरूवार को गोरखपुर दौरे के दौरान कानून-व्यवस्था और पुलिस व्यवस्थाओं को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में कोई भी थाने पर हमला करने की हिम्मत नहीं कर सकता। यदि कोई सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बनाए गए नए सुरक्षा भवनों का उद्घाटन भी किया। इन भवनों के निर्माण पर करीब 9 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत आई है। दोनों इमारतें स्टिल्ट प्लस चार मंजिला हैं और एक-दूसरे से सटी हुई हैं। इन भवनों में अपर पुलिस अधीक्षक और पुलिस उपाधीक्षक के कार्यालय के साथ-साथ कंट्रोल रूम, पुलिस स्टोर और मेंटेनेंस वर्कशॉप की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सीएम योगी ने बताया कि इन भवनों में एक साथ करीब 100 पुलिसकर्मी और अधिकारी ठहर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पुलिस इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि अब राज्य के 55 जिलों में आधुनिक सुविधाओं से लैस भवन तैयार किए जा रहे हैं। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से अब तक पुलिस विभाग में हुए बदलावों का जिक्र किया।